पद्मश्री प्रोफेसर मनोज दास को मिला

प्रथम नीलिमा रानी साहित्य सम्मान :2019

पांच लाख रुपये के नगद सम्मान और

मानपत्र प्रोफेसर दास ने सहर्ष स्वीकार किया और बताया कि मां का

विश्वास ही सृष्टि का आधार है।''

06जनवरी को कीट कन्वेशन सेण्टर पर ओडिया–अंग्रेजी के जानेमाने लेखक,कवि,कहानीकार,स्तंभकार पद्मश्री प्रोफेसर मनोज दास को प्रथम नीलिमा रानी साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रो शांतनु आचार्य,मुख्य अतिथि प्रो टी वी कट्टम्मनी,कुलपति,इंदिरागांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय अमरकंटक मध्यप्रदेश,सम्मानित अतिथि डा के श्रीनिवास राव,सचिव,केन्द्रीय साहित्य अकादमी,कादंबिनी ओडिया पत्रिका की संपादिका डा इति सामंत और कीट–कीस के प्रतिष्ठाता और राज्यसभा सांसद प्रो अच्युत सामंत आदि मंचासीन थे। प्रो मनोज दास ने अपने आभार प्रदर्शन में यह बताया कि यह पहला ऐसा अवार्ड है जिसे वे सहर्ष स्वीकार करते हैं क्योंकि इस सम्मान का नाम एक आत्म विश्वासी महिला स्वर्गीया नीलिमारानी सामंत के नाम पर है जिसके पास आत्मविश्वास के साथ–साथ जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों में धीरज के साथ अपनी संतान को नेक और चरित्रवान बनाने की चाह थी।प्रो दास ने यह भी बताया कि कीट–कीस के प्रतिष्ठा आज जो कुछ भी हैं अपनी स्वर्गीय मां की प्रेरणा के बदौलत हैं। प्रो सामंत ˙ सरल,मृदुल,नेक और चरित्रवान इंसान हैं।इन्होंने अपनी मां के विश्वास को जीवित रखा है। प्रो दास के अनुसार इस सृष्टि का आधार ही विश्वास है जो मां काली और पिता भोलेनाथ से आरंभ होकर जन–जन की संवेदना और चेतना का आधार बन चुका है। प्रो अच्युत सामंत ने अपने स्वागत भाषण में यह बताया कि ओडिशा के बालेश्वर जिले के शंकरी गांव के रहनेवाले प्रो मनोज दास जी एक सच्चे इंसान हैं। नेक इंसान हैं। एक चरित्रवान इंसान हैं जिनको प्रथम नीलिमारानी सामंत सम्मान से आज सम्मानित करके वे स्वयं में आत्म गौरव और गरिमा का अनुभव कर रहे हैं।गौरतलब है कि 1963 से पाण्डीचेरी आश्रम में रहनेवाले प्रो मनोज दास को साहित्य अकादमी अवार्ड,ओडिशा साहित्य अकादमी अवार्ड,सरला अवार्ड,बिशुब अवार्ड,साहित्य भारती

अवार्ड,सरस्वती अवार्ड,पद्मश्री अवार्ड,साहित्य अकादमी फेलोशिप आदि अवार्ड सहित सैकड़ों अवार्ड मिल चुके हैं। इस अवसर पर कादंबिनी और कुनी कथा का जनवरी अंक भी लोकार्पित हुआ। साथ में कादंबिनी साहित्य अवार्ड ओडिया कवि सत्यवादी राउत को,कादंबिनी संपादक अवार्ड अक्षय बेहरा को,कादंबिनी साहित्य संवर्द्धन सम्मान कृष्णा सिंह,इंदुलता महंती,संकरसन प्रतिहारी,सुविद्या देवी आदि को प्रदान किया गया। आयोजित साहित्य महोत्सव में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रुप में प्रो गरिमा श्रीवास्तव,श्री अभय सिंह,समाजसेवी सतरुपा सान्याल,कवयित्री रेवती राअुल, वरिष्ठ पत्रकार सुचित्रा अय्यर और ओडिया सिनं क्रिटिक श्री दिलीप हाली आदि को भी सम्मानित किया गया।दिनभर चली कुन्ना–कुन्नी बाल साहित्य प्रतियोगिता में अनेक प्रतिभावन बालकों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण कादंबिनी हाट रहा जिसमें अंग्रेजी,हिन्दी,संस्कृत और ओडिया की लाखों पत्रिकाओं की नुमाइश हुई। इस हाट में अनेक बयोवृद्ध साहित्यप्रेमियों को पत्रिकाओं की खरीद–परोखत करते हुए देखा गया वहीं कुल पांच हजार साहित्यप्रेमियों ने आयोजन में हिस्सा लिया। अशोक पाण्डेय